दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 12.01.2026

प्रकाशनार्थ

स्वामी विवेकानन्द जयंती के अवसर पर छात्र गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 12.01.2026 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज के शिक्षक-शिक्षा विभाग में स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर पर एक प्रेरणादायक छात्र गोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह दिवस भारत में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो युवाओं को स्वामी विवेकानंद के विचार से प्रेरणा लेने का संदेश देता है।

कार्यक्रम का मुख्य विषय "राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका" रहा, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना, आत्मविश्वास, नैतिक मूल्यों एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को विकसित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ शिक्षकों द्वारा माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात सभी प्रशिक्षुओं द्वारा स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया गया।"

गोष्ठी में सर्वप्रथम प्रद्युम्न दुबे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद ने भारत माता का मस्तक वैश्विक पटल पर ऊंचा किया। वे एक महान विचारक, दार्शनिक और आधुनिक मानवतावाद के प्रणेता थे। इसके पश्चात शोभित द्वारा प्रस्तुत कविता ने सभी श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। विचार अभिव्यक्ति के इसी क्रम में आदर्श राव, नेहा साहनी तथा सुधीर कुमार ने अपने विचार प्रस्तुत किये । इस गोष्ठी में विभाग के सहायक आचार्य श्री गोपाल सिंह द्वारा स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि "स्वामी विवेकानंद को सिर्फ भारत के निर्माता के तौर पर ही नहीं देखा गया, बल्कि आधुनिक विश्व के निर्माता के रूप में भी माना गया, जिसके प्रभाव को पूरे विश्व ने स्वीकार किया ।

कार्क्रम के द्वितीय चरण में बी.एड. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर सत्र: 2025-26 के विद्यार्थियों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमे विभाग के सहायक आचार्य श्री राकेश सिंह द्वारा संपूर्ण पाठ्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई । विभाग के सहायक आचार्य श्री प्रदीप कुमार यादव द्वारा बी.एड. पाठ्यक्रम के लक्ष्यों एवं उद्देश्यों से अवगत कराते हुए, सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की गई । विभाग के सहायक आचार्य श्री गोपाल सिंह द्वारा प्रशिक्षुओं को बी.एड. सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम के बाह्य एवं आन्तरिक प्रणाली से अवगत कराते हुए क्रेडिट प्रणाली के बारे में जानकारी प्रदान की गई । विभाग की प्रभारी प्रो. (डॉ) शुभ्रा श्रीवास्तव ने प्रशिक्षुओं को अनुशासन में रहते हुए प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु अभिप्रेरित किया । उन्होंने द्वितीय सेमेस्टर में सूक्ष्म शिक्षण के महत्व को बताते हुए कहा कि एक प्रशिक्षु यदि अच्छे से सूक्ष्म शिक्षण कर लेता है तो उसके अन्दर एक आदर्श शिक्षक के गुण विकसित हो जाते हैं । इस अभिविन्यास कार्यक्रम में प्रशिक्षुगण ने अपनी जिज्ञासाओं की पूर्ति हेतु अनेकों प्रश्न किए, जिसका समाधान प्राध्यापकगण द्वारा किया गया । । कार्यक्रम का संचालन प्रिया द्वारा अत्यंत प्रभावशाली तरीके से किया गया। इस अवसर पर प्रो. (डॉ) अरुण कुमार तिवारी एवं विभाग के परिचर श्री अमरनाथ चौधरी सहित बी.एड. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षु उपस्थित रहे ।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क